जलागम कार्यों से बदली जीवन शैली

आर.एस. सिकरबार,
सहायक निर्देशक
गुजरात राज्य जमीन विकास निगम,
भाव नगर (गुजरात राज्य)

भारत के पश्चिमी भाग में आता गुजरात राज्य में अरब सागर तट पर भावनगर जिला आया है। जिसके 11 तहसीलों में से एक पालीताणा तहसील है जो कि जैन समुदाय के प्राचीन एवं ख्यातनाम तीर्थस्थान के नाम से भी जाना जाता है। पालीताणा तहसील के अन्तिम सिरे पर 'शेवडीवदर' नामक गांव बसा है इस गांव की आबादी 2500 के करीब है। गांव की आजादी शिक्षा, आर्थिक, सामाजिक रूप में पिछड़ी हुयी थी। तभी गुजरात राज्य जमीन विकास निगम ने सन् 2002 में उक्त गांव को भारत सरकार की राष्ट्रीय जलागम विकास कार्यक्रम के अमलीकरण हेतु पसंद किया गया था।

गांव में पांच वर्ष पूर्व रूप कुओं की मदद से सिंचाई करते किसानों की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने से 60 परिवारों के लोग आसपास के विस्तारों में मजदूरी करके जीवन निर्वाह करते थे। वहीं कुछ लोग 400 एकड़ सामूहिक जमीन के पहाड़ी विस्तार होने से जंगल वृक्षों की लकड़ी की मदद से देशी शराब बनाने का धंधा करते थे। ऐसी परिस्थितियों में जलागम कार्यक्रम के लिए पसंद किया गया। इस गांव में पिछले 5 वर्षों में जलागम योजना में 31 छोटे बडे जलसंग्रह स्ट्रकचर्स बनाये गये। साथ ही गुजरात सरकार की योजनाओं के अंतर्गत 32 खेत-तालाब 2 तलाबों एवं 25 एकड़ भूमि का समतलीकरण किया गया जिसके कारण सामूहिक पहाड़ी जमीन का पानी गांव में ही संग्रहित किया जा सका है। इन कार्यों के परिणाम को देखकर किसानों ने 18 नये कुंओं का निर्माण किया एवं पानी की ज्यादा उपलब्धता के दृष्टिगत करके अब ग्रीष्मकालीन मूंगफली की करीब 400 एकड़ में सफल पैदावार ली जाने लगी है। वही खरीफ मूंगफली विस्तार घटकर कपास की ज्यादा खेती होने के कारण खेत मजदूरी ज्यादा खेती होने के कारण आज गांव का कोई परिवार मजदूरी करने दूसरी जगह नहीं जा रहा है। वहीं दूसरे गांवों के करीब 10 परिवार शेवडीवदर की खेती में मजदूरी प्राप्त करने आने लगे है। जो किसान पुराने वृक्ष काटकर देशी शराब बनाने का कार्य करते थे वह लगभग बंद हो गया। साथ ही गांव के किसान आज आम नींबू बगैरा के पौधे लगाकर आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के साथ पर्यावरण के प्रति जाग्रति देखी जाने लगी है।

जलागम एवं जलसंग्रह कार्यो से लोगों के बदलाव के चलते आज गांव पक्की रोड से जुड़ गया है। गांव के किसानों के 60% बच्चे ही पहले प्राथमिक शिक्षा लेने स्कूल से जुड़ते थे, वहीं अब 100 प्रतिशत गांव के बच्चे प्राथिमक शिक्षा लेने लगे हैं। देशी शराब एवं

अन्य अपराधों के कारण हर वर्ष करीब 50 पुलिस केस होते थे। आज उसी शेवडीवदर गांव में लोगों ने 'ग्राम सुरक्षा समिति' की रचना करके गांव की सुरक्षा एवं झगड़े आपस में मिल बैठकर हल करने लगे हैं। इस प्रकार शेवडीवदर गांव के लोगों में आये वैचारिक बदलाव में शेवडीवदर जलागम विकास कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष श्री वरूभाई के प्रयत्न एवं मेहनत को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

****